26

लुढ़कता चले पहिया

E7L7D8

क्या तुमने कभी बैलगाड़ी, साइकिल, स्कूटर या अन्य किसी वाहन पर सवारी की है ? इन्हें देखा तो होगा ही। ये सभी आसानी से चलते हैं।
ये आसानी से क्यों चल पाते हैं? जबकि मेज, बक्सा आदि नहीं चल पाते ? सोचो।

ये आसानी से इसलिए चल पाते हैं क्योंकि इनमें पहिए हैं।

और किस–किस चीज में पहिए होते हैं?

_____

_____

जब पहिये नहीं थे तो क्या होता था? इधर–उधर जाने में क्या दिक्कतें आती होंगी? आपस में चर्चा करो।

पहिए कहाँ–कहाँ ?

जीप, ट्रेन, घिरनी, रस निकालने की मशीन आदि सभी में पहिए लगते हैं। पहिए ट्रकों, बसों, तांगों, हवाई जहाजों में भी लगते हैं।

अपने आस–पास देखो। पहिए का कहाँ–कहाँ पर उपयोग होता है? इन सभी जगहों/चीजों को तालिका में भरो। यह भी लिखो की पहिए किस काम आते हैं? इनके उपयोग व काम तालिका में भरो –

क्रमांक	उपयोग किस स्थान/चीज में है?	क्या काम आता है?

सोचो और चर्चा करो

1. अगर हमारे पास पहिए नहीं होते तो हम क्या–क्या नहीं कर पाते?
2. पहिए नहीं होते तो हमारे जीवन पर क्या असर पड़ता?

किसके बने पहिए

क्या तुम्हें पता है बैलगाड़ी का पहिया किस से बनता है? कुम्हार का चाक और गन्ने का रस निकालने वाली मशीन का पहिया किससे बनता है? ट्रक, बस, कार आदि के टायर किससे बनते हैं? अपने दोस्तों के साथ चर्चा करो और जरूरी समझो तो अपनी शिक्षक से भी पता कर इसे तालिका में भरो।

क्रमांक	पहिया कहाँ लगा है?	किससे बना है?	छोटा है या बड़ा?

हमने क्या सीखा ?

लिखित

1. हर एक के दो–दो उदाहरण दो –
   - (i) दो पहिए वाले वाहन
   - (ii) तीन पहिए वाले वाहन
   - (iii) चार पहिए वाले वाहन
   - (iv) छः पहिए वाले वाहन
   - (v) छः से अधिक पहिए वाले वाहन

E7V3EV

2. हमारे जीवन में पहिए के कोई तीन उपयोग लिखो।

खोजो आस–पास

1. मिट्टी या तार से विभिन्न आकार के पहिये बनाओ। उन्हें फर्श पर चला कर देखो।

27

आओ खेलें खेल

चित्रों में बच्चे कौन–कौन से खेल, खेल रहे हैं? पहचानकर चित्र के नीचे उसका नाम लिखो–

____

____

____

तुम और तुम्हारे दोस्त और कौन–कौनसे खेल खेलते हो? लिखो।

1. ———————————— 2. ————————————

3. ———————————— 4. ————————————

5. ———————————— 6. ————————————

7. ———————————— 8. ————————————

पतंग तो कोई अकेले भी उड़ा सकता है पर अकेले कबड्डी तो नहीं खेल सकते। किस खेल में कितने बच्चे एक साथ खेलते हैं? पता करो और नीचे की तालिका में भरो –

क्र.	खेल का नाम	कितने साथी चाहिए
1.		
2.		
3.		
4.		

साँप सीढ़ी खेलने के लिए एक बोर्ड चाहिए और एक पासा भी। पर कबड्डी, गिल्ली डण्डा, कैरम, क्रिकेट, फुगड़ी, पच्चीसा, खेलने के लिये क्या–क्या चाहिए?
नीचे दी तालिका में लिखो।

क्र.	खेल का नाम	क्या–क्या सामान चाहिए
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

खेल के नियम

हर खेल को खेलने का अपना एक तरीका होता है और उसके अपने ही नियम होते हैं। खेल को इन नियमों के अनुसार ही खेलना पड़ता है चाहे कोई हारे या जीते। तुम जो खेल खेलते हो उनके क्या–क्या नियम हैं? अपनी पसंद के किसी एक खेल के बारे में लिखो कि तुम कैसे खेलते हो?

_____

_____

_____

_____

क्या तुम कभी पिट्ठुल खेलते हो? चलो हम तुम्हें पिट्ठुल खेलने का तरीका और उसके नियमों के बारे में बताते हैं।

पिट्ठुल का खेल

यह खेल मैदान में खेला जाता है और इसे बहुत से बच्चे मिलकर एक साथ खेल सकते हैं। पिट्ठुल खेलने के लिए एक गेंद और सात पिट्ठुल चाहिए। अपने गुरुजी से चर्चा करके इस खेल के नियमों को समझ लेना और फिर इसे मैदान में खेलना।

इस खेल को दो समूह मिलकर खेलते हैं। एक समूह में 3 से लेकर 8 बच्चे हो सकते हैं। मैदान में सात पिट्ठुलों को एक के ऊपर एक रखते हैं और थोड़ी दूरी से गेंद से इन पिट्ठुलों को गिराते हैं। गिराने वाला समूह उन पिट्ठुलों को पुनः एक के ऊपर एक जमाने की कोशिश करता है और दूसरा समूह उन्हें गेंद मारकर आउट करने की कोशिश करता है। इस खेल को खेलने के कुछ नियम हैं जो नीचे दिए गए हैं पर यदि तुम चाहो तो अपने नियम खुद मिलकर तय कर सकते हो।

1. सबसे पहले चित – पट करके पिट्ठुल फोड़ने/गिराने वाला पहला समूह तय करो।
2. गेंद से निशाना लगाकर पिट्ठुल फोड़ने/गिराने की दूरी तय करके वहाँ निशान बना दो।
3. यदि गेंद से पिट्ठुल नहीं फूटता और दूसरी टीम के खिलाड़ी उसे एक टप्पे के बाद कैच कर लेते हैं तो मारने वाला आउट हो जाता है। उसके बाद दूसरे साथी की बारी आती है। अगर टीम के सभी खिलाड़ी बगैर पिट्ठुल फोड़े कैच आऊट हो जाते हैं तो फिर दूसरे समूह की बारी आती है।
4. जब पिट्ठुल फूट जाता है और गेंद कैच कर ली जाती है तो पिट्ठुल फोड़ने वाला समूह आउट हो जाता है।
5. पिट्ठुल जमाने से पहले यदि गेंद पिट्ठुल फोड़ने वाले समूह के किसी खिलाड़ी को लग जाती है तो वह खिलाड़ी आउट हो जाता है।
6. यदि गेंद समूह के किसी साथी को नहीं लगती और वह बच–बचकर पिट्ठुल जमा लेते हैं तो दूसरे समूह पर एक अंक चढ़ जाता है।
7. जब एक समूह के सारे खिलाड़ी आउट हो जाते हैं तो दूसरे समूह को पिट्ठुल फोड़ने का मौका दिया जाता है।

इस प्रकार यह खेल चलता रहता है।

हमनें क्या सीखा ?

मौखिक

1. तुम्हारी शाला में खेले जाने वाले खेलों के नाम बताओ।
2. बिना सामग्री वाले कौन–कौन से खेल हैं?
3. तुम कौन–कौन से खेल घर (कमरे) के अन्दर खेल सकते हो?

लिखित

1. किन्हीं पाँच मैदानी खेलों के नाम लिखो।
2. (i) पिट्ठुल खेलने के लिए कितनी टीमें बनाते हैं?
   (ii) पिट्ठुल के खेल में पूरा समूह कब आउट हो जाता है?
   (iii) पिट्ठुल में अंक कब चढ़ता है?

खोजो आस–पास

1. तुम्हारे दादा–दादी और माता–पिता जब छोटे थे तब वे कौन–कौन से खेल खेलते थे? पता करो।
2. फुटबाल कैसे खेलते हैं? खेलने का तरीका व खेलने के नियम पता करो।
3. किसी खेल को खेलते समय के दो चित्र बनाओ।
4. विभिन्न खेलों जैसे क्रिकेट, एथलेटिक्स, हॉकी, बैडमिन्टन, वालीबॉल, बास्केटबॉल आदि में खेलने वाले महिला खिलाड़ियों के नाम पता करें एवं अपने दादा–दादी या बड़ों से पूछकर पता करें उनके समय के प्रसिद्ध महिला खिलाड़ी कौन–कौन थे।

E8DUI6

28

राजू गया तालाब पर

E8MQJT

एक दिन राजू उसके गांव के पास के तालाब को देखने गया। वर्षा के दिन थे। तालाब लबालब भरा हुआ था। तालाब के किनारे बैठे मेंढक टर्र–टर्र कर रहे थे। मज़ा लेने के लिए राजू कँकड़ उठा–उठाकर मेंढकों को मारने लगा। कंकड़ लगने से मेंढक फुदक–फुदक कर इधर–उधर भागने लगे। राजू को मेंढकों के पीछे भागने और उन्हें कँकड़ मारने में मजा आ रहा था।

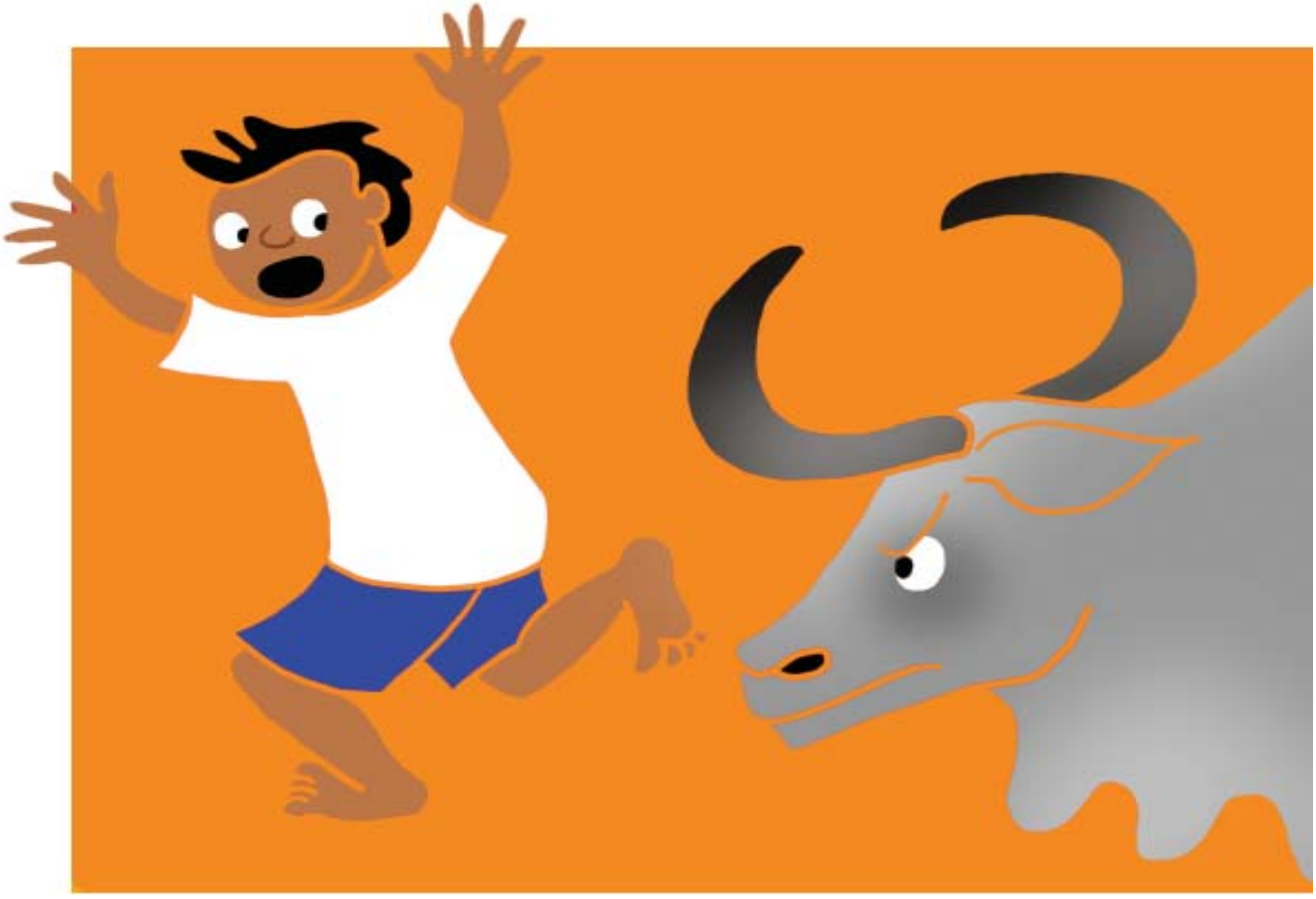

रात को राजू जब सोया तो उसने सपने में क्या देखा कि एक गाय उसको सींग से मारने के लिए उसके पीछे दौड़ रही है। राजू आगे और गाय पीछे। डर के मारे वह थर–थर काँपने लगा। चोट लगने के भय से अचानक वह जोर से चिल्लाया और नींद से उठ गया। उसके पास सो रही उसकी मां ने कहा कि क्या बात हुई राजू? इतने डरे हुए क्यों हो बेटा? राजू ने रोते हुए सारा किस्सा माँ को सुनाया।

राजू ने मेंढकों को पत्थर मारा क्या यह उचित था ? सोचो।

एक वृद्ध महिला (दादी माँ) सड़क के किनारे सड़क पार करने के लिए खड़ी थी। थोड़ी देर में एक स्कूल जाने वाला बच्चा दादी माँ के पास से गुजरा। दादी माँ ने उसे बुलाया किन्तु वह दादी माँ को देख कर आगे बढ़ गया। उसी समय दूसरी ओर से एक बच्ची उसी सड़क से गुजर रही थी। दादी माँ के पास पहुँचने पर वह उसे देखकर अपने आप ही रूक गयी। उसने दादी माँ को सहारा देकर सड़क पार करवायी। फिर वह स्कूल की तरफ चल दी।

अभी तुमने देखा कि दादी माँ को सहायता की जरूरत पड़ी। हमारे समाज में बड़े बुजुर्गों को इसी तरह विभिन्न कार्यों के लिए सहायता की जरूरत पड़ती है। आस–पास यदि दिव्यांग व्यक्ति हो तो उन्हें भी संवेदनशीलता की जरूरत होती है। जिससे वे आत्म निर्भर बन सके।

तुमने भी इस तरह के लोगों की मदद की होगी उसे कॉपी में लिखो और अपने कक्षा में आपस में चर्चा करो।

हमनें क्या सीखा ?

मौखिक

1. मेंढक फुदक–फुदक कर इधर–उधर क्यों भाग रहे थे?
2. क्या राजू मेंढकों के साथ ठीक बर्ताव कर रहा था?
3. तुमने राजू के इस बर्ताव से क्या सबक सीखा?
4. राजू की माँ ने राजू को क्या कहा होगा?
5. राजू ने सपने से क्या सबक सीखा होगा?

लिखित

1. बुढ़िया ने लड़के को क्यों बुलाया होगा?
2. तुम्हें उन दोनों लड़के और लड़की में से किसका व्यवहार अच्छा लगा?
3. कोई ऐसी घटना बताओ जिसमें तुमने किसी की मदद की हो।
4. क्या आपको विशेष आवश्यकता वाले लोगों (हाथ, पैर, आँख से बाधित) आदि की मदद करना अच्छा लगता है?

   क्या आपने ऐसे लोगों की कभी मदद की है?

   आपने ऐसे लोगों की मदद किस प्रकार की है?

खोजो आस–पास

1. तुम घर के लोगों की किस तरह से मदद कर सकते हो?
2. घर का क्या–क्या काम तुम्हारे जिम्मे है?

E8WLLG

क्या आप जानते हैं इकबाल आपसे क्या कह रहा है?

इकबाल आपसे कह रहा है मैं कक्षा में प्रथम आया!

सांकेतिक भाषाः सामान्य परिचय

सांकेतिक भाषा का उपयोग श्रवण बाधित व्यक्ति द्वारा संप्रेषण हेतु किया जाता है। सुनने के अभाव में श्रवण बाधित सांकेतिक भाषा का उपयोग करते हैं। आमतौर पर लोगों की धारणा है कि सांकेतिक भाषा में व्याकरण का अभाव होता है परन्तु यह सही नहीं है, सांकेतिक भाषा में भी व्याकरण है। व्याकरण की दृष्टि से अमेरिकन सांकेतिक भाषा सबसे ज्यादा उन्नत है। अमेरिकन सांकेतिक भाषा फिंगर स्पेलिंग पर निर्भर है तथा वहां सिंगल हैण्डेड फिंगर स्पेलिंग का प्रयोग किया जाता है। इंडियन सांकेतिक भाषा में डबल हैंड़ेड फिंगर स्पेलिंग का प्रयोग किया जाता है। आइये अब हम डबल हैंड़ेड फिंगर स्पेलिंग जाने–